Diploma in karmakand- 1st Semester **Exam 2020**

कोड- DVP-C101

प्रश्न-पत्र का नाम- नित्य कर्म

समय- 3 घण्टे **अधिकतम अंक-70**

नोट- प्रश्न-पत्र दो खण्डों ए एवं बी में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'ए'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

प्रश्न 1 **यज्ञ के अर्थ को बताते हुए ,मानव जीवन मे यज्ञ के सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डालें ।**
प्रश्न 2 **देवयज्ञ के पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 3 **देवयज्ञ की अग्न्याधान विधि पर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 4 **सात्विक यज्ञ, राजसिक यज्ञ एवं तामसिक यज्ञ के उपर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 5 **ब्रह्मयज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 6 **यज्ञ के वैज्ञानिक प्रभाव पर विस्तार पूर्वक टिप्पणी करें।**
प्रश्न 7 **होम के साकल्य पर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 8 **यज्ञ की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 9 **अतिथि यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 10 **बलिवैश्वदेव यज्ञ के भाग स्थापन विधि एवं महत्ता पर प्रकाश डालें।**

खण्ड 'बी'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है

प्रश्न 1 **आचमन मंत्र लिखते हुए ,आचमन की उपयोगिता का विशद विवरण दीजिए।**
प्रश्न 2 **वर्तमान में पितृयज्ञ की उपयोगिता पर प्रकाश डालो।**
प्रश्न 3 **प्राणायाम की भूमिका का विशद् विवरण करें।**
प्रश्न 4 **दैनिक अग्निहोत्र की प्रातः और सायं काल की आहुतियों की व्याख्या करो।**
प्रश्न 5 **यज्ञीय विधि आचमन और मार्जन की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।**
प्रश्न 6 **अधमर्षण मन्त्रों की व्याख्या करो।**
प्रश्न 7 **गायत्री मन्त्र की व्याख्या करते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डालिए।**
प्रश्न 8 **शांतिमन्त्र का अर्थ करते हुए की महत्ता को लिखे।**